

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

J	3	3	1	0
---	---	---	---	---

Test Booklet No.

Time : 2 1/2 hours]

PAPER-III

[Maximum Marks : 200

DOGRI

Number of Pages in this Booklet : 24

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।

- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।

(ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**

- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

J-3310**P.T.O.**

DOGRI

डोगरी

PAPER-III

पेपर-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : एह पेपर **दो सौ (200)** नंबरों दा ऐ ते एहदे च चार सैक्शनां न । परीक्षार्थिये इःने सैक्शनें च पुच्छे गेदे सुआले दे जवाब बिच्च दित्ते गेदे विस्तृत निर्देशों दे अधार उप्पर देना ऐ ।

SECTION – I

सैक्शन – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks, each to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस सैक्शन च **बीहें-बीहें** नंबरें दे दो **(2)** लम्मे जवाबें आह्ले सुआल न, जिं'दा जवाब लगभग **पंज सौ (500)** शब्दें च देना ऐ । **(2 × 20 = 40 नंबर)**

1. डोगरी भाशा दी कुसै इक व्याकरणिक कोटि दी रूप-रचना बारै तफ़्सीली जानकारी देओ ।

जां (OR)

डोगरी भाशा दी संयुक्त वाक्य-रचना दा उदाहरणों समेत ब्योरा प्रस्तुत करो ।

2. डोगरी कथा-उपन्यास दे खेतरा च ओम गोस्वामी हुंदे योगदान बारै आलोचनात्मक द्रिश्टीकोण प्रस्तुत करो ।

जां (OR)

डोगरी नाटक दी विकास-यात्रा च महिला-लेखकाएँ दे योगदान बारै तनकीदी जायज़ा प्रस्तुत करो ।

SECTION – II
सैक्शन – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस सैक्शन च **पंदरें-पंदरें** नंबरें दे **त्रै (3)** सुआल न । हर सुआला दा जवाब लगभग **त्रै सौ (300)** शब्दें च देना ऐ । **(3 × 15 = 45 नंबर)**

3. सिद्ध करो जे डोगरी भारोपीय भाशा परिवार दी आधुनिक आर्य भाशा ऐ ते मध्यकाल च इसदा सरबंध शौरसेनी प्राकृत कन्नै मता नेड़मां बझोंदा ऐ ।
4. जन-संचार दे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमें चा केहड़ा माध्यम मता सशक्त ऐ ते की ? युक्तियां देइयै स्पष्ट करो ।
5. भाशा-शैली च मुहावरें दी उपयोगिता बारै विचार प्रगट करदे होई शरीरक अंगें दे नाएं कन्नै बने दे कु'नें प'ज्जें मुहावरें दी व्याख्या करो ।

SECTION – III

सैक्शन – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस सैक्शन च दस्से-दस्से नंबरें दे नौ (9) सुआल न । हर सुआला दा जवाब लगभग पंजाहें (50) शब्दें च देना ऐ । **(9 × 10 = 90 नंबर)**

6. भारोपीय भाशा परिवार दे प्रमुख उप-परिवारें दा ब्योरा लिखो ।

7. डोगरी क्रिया च वाच्य व्यवस्था पर संक्षिप्त नोट लिखो ।

8. पद्मा सचदेव हुंदी कविता दियां केह् टकोहदां न ?

9. ललित मगोत्रा हुंदी कहानियें दियां केह् खासियतां न ?

10. निबंध दी परिभाषा दिंदे होई इसदे भेद दरस्सो ।

11. रामनाथ शास्त्री हुंदे नाटक ते एकांकिये दे प्रमुख रुझान केह न ?

12. रीति-सिद्धांत दा परिचे देओ ।

SECTION – IV
सैक्शन – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस सैक्शन च हेठ दित्ते दे पैहरे पर अधारत **पंज (5)** सुआल न । हर सुआला दा जवाब लगभग **त्रीहें (30)** शब्दें च देना ऐ । हर सुआला दे **पंज (5)** नंबर न ।

(5 × 5 = 25 नंबर)

रामलीला दा चलन दुग्गर दे ग्राएं-शैहरें च उ'आं ते प्राचीन समें थमां चलदा आवा दाऐ, पर रामलीला दा बकायदा सिलसला महाराजा रणबीर सिंह हुंदे राजकाल च गै शुरू होआ हा, जदूं के अयुध्या थमां इक मशहूर लीला तरिया इस कम्मै दे श्री गणेश ताई सद्देआ गोआ हा । इस रामलीला च मते सारे सरकारी बंदूकिये कम्म करदे हे ते किश शैहरदार बी गिने-चुने रोल नभांदे हे । एह्दे अलावा किश क्लब जम्मू दे बाहर रामनगर, उधमपुर, कठुआ, बसोहली आदि नगरें जाई रामलीला करदे हे । चम्बै, कुल्लू, कांगड़ै रामलीला दा प्राचीन काल शा गै चलन रेहा ऐ । कुल्लू दा दसैहरा ते देस भरै च मशहूर ऐ ।

जम्मू च रंगमंच दी परम्परा श्री रघुनाथ थियेट्रीकल कम्पनी दे बजूद च औने थमां गै आरम्भ होंदी ऐ । महाराजा रणबीर सिंह हुंदा समां डोगरी साहित्य ते कला दी प्रगति दा समां हा । महाराजा रणबीर सिंह होरें मथरा ते वृन्दावन थमां किश नाटक मण्डलियें गी जम्मू सदाया । इ'नें मंडलियें केई थाहरें बड़ी सफलता नै रामलीला ते कृष्णलीलां दस्सियां । इंदे शा प्रभावत होइयै उ'त्रीमीं सदी दे खीरी दिनें जम्मू शैहरा दे किश नाटक प्रेमियें रघुनाथ मंदर दे हाते च पैहली नाटक मंडली 'रघुनाथ थियेट्रीकल कंपनी' नांड कन्नै खडेरी ।

सन् 1885 च महाराजा प्रताप सिंह हुंदे गद्दी पर बौहने मगरा, इस कम्पनी ने बकायदा कम्म शुरू करी ओड़ेआ, इस कम्पनी ने राजा हरिश्चंद्र, इंदर सभा, गुलरूजरीना ते हैमलेट आदि केई नाटक बड़ी सफलता कन्नै खेठे । इ'ने नाटकें गी दिक्खने गी रियास्ता दे बाहरा बी लोक औंदे हे । चमत्कारी सीन दस्सने ताई इस मंडुए च 'फ्लाइंट ते ट्रेप' दा समान बी हा । बाद च इ'नें कलाकारें दे उत्साह च ढिल्ल आई जाने ते सरकारी सहायता बंद होई जाने पर एह कम्पनी त्रुट्टी गई ।

15. डुग्गर च रामलीला दा बकायदा सिलसला कदूं शुरू होआ ?

16. रामलीला खेढने च केहड़े-केहड़े लोकें अपना सैहजोग दित्ता ?

17. जम्मू च रंगमंच दी परम्परा दे आरम्भ काल बारै दस्सो ।

18. जम्मू च पैहली नाटक मंडली कदूं बनी ते उसदा केह् नांड हा ?

19. सफल नाटक खेढने दे बावजूद एह् कंपनी की त्रुट्टी गई ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date